

पराक्रम दविस 2024

प्रलिस के लयः

[पराक्रम दविस, भारत परव](#), नेताजी सुभाष चंदर बोस, सुभाष चंदर बोस आपदा परबंधन पुरस्कार-2024, [वविकानंद की शकषाएँ](#)

मेन्स के लयः

पराक्रम दविस 2024, अठारहवीं सदी के मध्य से लेकर वर्तमान का आधुनक भारतीय इतहस- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्त और मुददे

[स्रोत: हदुस्तान टाइम्स](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री (Prime Minister- PM) **नेताजी सुभाष चंदर बोस** की जयंती मनाने के लय लाल कल में आयोजित [पराक्रम दविस \(23 जनवरी 2024\)](#) समारोह में भाग लय।

- प्रधानमंत्री ने [भारत परव](#) (पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित) का भी शुभारंभ कय जो भारत की समृद्ध ववधिता को परदर्शित करने तथा **वभिन्न संस्कृतयों** को परदर्शित करने के लय आयोजित नौ दविसीय कार्यक्रम है।
- पराक्रम दविस के अवसर पर कंदर ने आपदा परबंधन के क्षेत्र में व्यक्तयों तथा संगठनों द्वारा दय गए अमूल्य योगदान का सम्मान करने के लय [सुभाष चंदर बोस आपदा परबंधन पुरस्कार-2024](#) की घोषणा की।

पराक्रम दविस क्या है?

- भारत में **नेताजी सुभाष चंदर बोस की जयंती** के उपलक्ष्य में वर्ष 2021 से परत्येक वर्ष पराक्रम दविस मनाया जाता है।
- "पराक्रम" शब्द का हर्दी अनुवाद साहस अथवा वीरता होता है जो नेताजी तथा भारत की स्वतंत्रता के लय लड़ने वालों की परबल व साहसी भावना को दर्शाता है।
- समारोह में अमूमन स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी की भूमिका के ऐतहसक महत्त्व को उजागर करने वाले वभिन्न कार्यक्रम एवं गतवधियें शामिल होती हैं।
- इस बड़े उत्सव का आयोजन **संस्कृति मंत्रालय की ओर से** [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण](#), राष्ट्रीय नाट्य वदियालय, साहित्य अकादमी और भारतीय राष्ट्रीय अभलिखागार जैसे अपने सहयोगी संस्थानों की सहभागिता में कय गया।
- इस उत्सव के एक हस्से के तहत इस कार्यक्रम ने गतवधियें की एक समृद्ध शृंखला की मेज़बानी की जो **नेताजी सुभाष चंदर बोस तथा आज़ाद हदि फौज** की समृद्ध वरिसत को परदर्शित करती है।
 - वर्ष 2022 में **नेताजी की 125वीं जयंती को चहिनति करते हुए इंडिया गेट के समीप नेताजी की परतमा स्थापति की गई** जहाँ वर्ष 1968 तक कगि जॉर्ज पंचम की परतमा थी।
 - 8 सतिंबर, 2022 को नई दल्लि में इंडिया गेट के पास एक बड़ी मूर्त अंततः [नेताजी की होलोग्राफिक छव की जगह ले लेगी](#)।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस

जन्म

- 23 जनवरी, 1897 ('पराक्रम दिवस' के रूप में मनाया जाता है)

आपदा प्रबंधन में भारत में व्यक्तियों/संगठनों द्वारा प्रदान की गई निस्वार्थ सेवा सम्मानित करने हेतु हर साल 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की घोषणा की जाती है।



आरंभिक जीवन

- इंडियन सिविल सर्विसेज़ (ICS) परीक्षा उत्तीर्ण की (1919) लेकिन बाद में त्याग-पत्र दे दिया
- स्वामी विवेकानन्द को अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे
- समाचार पत्र- स्वराज

कॉंग्रेस (INC) में राजनीतिक जीवन

- बिना शर्त स्वराज (Unqualified Swaraj) अर्थात् स्व-शासन का समर्थन किया
- वर्ष 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया
- सचिनय अवज्ञा आंदोलन के निलंबन तथा गांधी-इरविन समझौते (वर्ष 1931) पर हस्ताक्षर करने का विरोध किया
- हरिपुरा (1938) और त्रिपुरी (1939) में कॉंग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव जीता
- गांधी जी से वैचारिक मतभेद के कारण कॉंग्रेस से इस्तीफा दिया (1939)
- राजनीतिक वामपंथ को मज़बूत बनाने हेतु एक नई पार्टी 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना

आज़ाद हिन्द फौज़/इंडियन नेशनल आर्मी (INA)

- जुलाई 1943 में जर्मनी से जापान-नियंत्रित सिंगापुर पहुँचे वहाँ से उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा 'दिल्ली चलो' जारी किया
- उन्होंने 'जय हिन्द' का नारा भी दिया
- अक्टूबर 1943 में आज़ाद हिंद सरकार और INA के गठन की घोषणा की
- INA ने इंडो-बर्मा क्षेत्र में मित्र देशों की सेनाओं का मुकाबला किया (1944)

इंडियन नेशनल आर्मी का गठन पहली बार मोहन सिंह और जापानी मेजर इविची फुजियारा के नेतृत्व में किया गया था तथा इसमें मलय (वर्तमान मलेशिया) अभियान के दौरान सिंगापुर में जापान द्वारा कैद किये गए ब्रिटिश-भारतीय सेना के युद्ध बंदियों को शामिल किया गया था।

मृत्यु

- ऐसा माना जाता है कि वर्ष 1945 में उस समय उनका निधन हो गया जब उनका विमान ताइवान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।



सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार क्या है?

- क्षेत्र मान्यता:**
 - भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के लिये सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की स्थापना की।
- प्रशासति:**
 - राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** (NDMA की स्थापना आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत गृह मंत्रालय के तहत की गई थी)।
 - पुरस्कार:**
 - इस पुरस्कार की घोषणा प्रत्येक वर्ष 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है।
 - प्रमाण-पत्र के अलावा, इन पुरस्कारों में एक संस्थान के लिये 51 लाख रुपए और एक व्यक्ति के लिये 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है।
 - संस्थान नकद पुरस्कार का उपयोग केवल आपदा प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं के लिये कर सकता है।
- योग्यता:**

- इस पुरस्कार के लिये केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही आवेदन कर सकते हैं।
- भारत में रोकथाम, शमन, त्वरति बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान, नवाचार या पूर्व चेतावनी सहति आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कोई भी अनुभव प्राप्त नामांकित व्यक्ति या संगठन इसके लिये पात्र है।
- **SCBAPP- 2024: 60 पैराशूट फील्ड हॉस्पिटल, उत्तर प्रदेश** को आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिये, विशेष रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वभिन्न प्राकृतिक आपदाओं एवं संकटों के दौरान चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिये सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार- 2024 के लिये चुना गया है।
 - उत्तराखंड बाढ़ (2013), नेपाल भूकंप (2015) और तुर्की तथा सीरिया भूकंप (2023) जैसी घटनाओं के दौरान अस्पताल के काम को इसकी असाधारण सेवा के उदाहरण के रूप में उजागर किया गया है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. औपनिवेशिक भारत के संदर्भ में शाह नवाज़ खान, प्रेम कुमार सहगल और गुरबख्श सहि ढलिलों कसि रूप में याद कयि जाते हैं? (2021)

- स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन के नेता के रूप में
- 1946 में अंतरिम सरकार के सदस्यों के रूप में
- संवधान सभा में प्रारूप समिति के सदस्यों के रूप में
- आज़ाद हदि फौज (इंडियन नेशनल आर्मी) के अधिकारियों के रूप में

उत्तर: (d)

प्रेम कुमार सहगल, शाह नवाज़ खान और गुरबख्श सहि ढलिलों इंडियन नेशनल आर्मी (INA) के दूसरी श्रेणी के कमांडर थे। इन्हें वर्ष 1945 में लाल कलि पर अंगरेज़ों की कोर्ट-मार्शल की प्रक्रिया से गुज़रना पड़ा तथा मृत्यु की सज़ा सुनाई गई। हालाँकि भारत में व्यापक वरिध और अशांतिके बाद उन्हें रहि करना पड़ा।

अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

प्रश्न 2. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नमिनलखिति में से कसिने 'फ़री इंडियन लीजन' नामक सेना स्थापति की थी? (2008)

- लाला हरदयाल
- रासबहारी बोस
- सुभाष चंद्र बोस
- वी.डी. सावरकर

उत्तर: (c)

- फ़री इंडियन लीजन भारतीय स्वयंसेवकों द्वारा गठित पैदल सेना रेजिमेंट थी। यह सेना भारतीय युद्ध कैदियों और यूरोप के प्रवासियों से बनी थी।
- भारतीय स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंगरेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये जर्मन सरकार की मदद से इस सेना का गठन किया।
- इस सेना को "टाइगर लीजन" के नाम से भी जाना जाता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

??????:

प्रश्न. स्वतंत्रता के लिये संघर्ष में सुभाष चंद्र बोस एवं महात्मा गाँधी के मध्य दृष्टिकोण की भिन्नताओं पर प्रकाश डालिये। (2016)